

प्रीलिमिंस फैक्ट्स : 26 नवंबर, 2018

'ग्लोबल सर्टि' पहल

- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी ग्लोबल सस्टेनेबल सर्टिज 2025 पहल में भागीदारी के लिये नोएडा और ग्रेटर नोएडा को चुना है।
- शहरों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल सस्टेनेबल इंडेक्स इंस्टीट्यूट से एक पत्र गौतमबुद्ध नगर ज़िला मजिस्ट्रेट को भेजा गया था जसि राज्य सरकार को अग्रेसति कर दिया जाएगा।
- ये दोनों शहर उन 25 शहरों में शामिल हैं जनिहें पाँच श्रेणियों में ग्लोबल सस्टेनेबल सर्टिज 2025 पहल में भागीदारी के लिये चुना गया है।
- इस पहल के एक हसिसे के रूप में सतत विकास लक्ष्य (SDG) को साकार करने हेतु कई मिलियन डॉलर का वतितपोषण प्रदान करने के लिये संयुक्त राष्ट्र, शहर के प्रशासन के साथ एक समझौता करेगा।
- संयुक्त राष्ट्र नोएडा में ऐसे 51 छात्रों को पीएचडी के लिये आर्थिक संरक्षण भी प्रदान करेगा जो अपने अनुसंधान के माध्यम से योजना में योगदान देंगे।

खारे पानी का मगरमच्छ

- हाल ही में आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में एक महीने के अंदर दो मगरमच्छों को देखा गया है।
 - गौरतलब है किये मगरमच्छ आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम तट तथा शरीकाकुलम तट पर देखे गए हैं।
 - खारे पानी के मगरमच्छ आमतौर पर ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
 - ऐसे में यह कयास लगाया जा रहा है कियह प्रजाति ओडिशा तट से प्रवास कर रही है।
 - भारत में सुंदरबन तथा अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह खारे पानी के मगरमच्छों के प्रमुख आवास हैं।
 - सभी जीवति सरीसृपों में से यह मगरमच्छ सबसे बड़ा होता है जो लगभग 7 मीटर तक लंबा हो सकता है।
 - यह दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया में भी पाया जाता है।
- भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान-**
- भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा के बेहतरीन जैव वविधिता हॉटस्पॉट में से एक है और यह अपने हरे मैंग्रोव, प्रवासी पक्षियों, कछुए, एस्चुराइन मगरमच्छ तथा अनगनित संकरी खाड़ियों (creeks) के लिये प्रसदिध है।
 - भीतरकनिका ब्राह्मणी, वैतरणी, धामरा और महानदी नदी के मुहाने पर स्थति है।
 - ऐसा माना जाता है कियह उद्यान देश के 70 फीसदी एस्चुराइन या खारे पानी के मगरमच्छों का आवास है।